श्री गुर्जर गौड़ ब्राह्मण समाज के सामूहिक विवाह सम्मेलन के अवसर पर माननीय अध्यक्ष का सम्बोधन

गौतम आश्रम, तीनधारा, तालेडा में आज आप सब लोगों के बीच आकर मन बहुत प्रसन्न है। मैं आज यहाँ गुर्जर गौड़ ब्राह्मण समाज के विवाह सम्मेलन में विवाह सूत्र में बंधने जा रहे नवदंपतियों को बहुत बहुत शुभकामनाएं और आशीर्वाद देता हूँ। आप सभी को बहुत बहुत शुभकामनाएं देता हूँ।

महर्षि गौतम सप्त ऋषियों में से एक हैं। जीवों के कल्याण के लिए श्री गौतम ऋषि ने कठोर तपस्या की थी। उनका जीवन मानवता की भलाई के लिए और सामूहिक उन्नति के लिए समर्पित रहा। समाज के सभी लोग एकजुट होकर अच्छाई और न्याय के रास्ते पर आगे बढ़ें। सभी का विकास हो; उनका जीवन हमें यह सीख देता है। गौतम ऋषि से हमें तप, तपस्या और करुणा की भावना की सीख मिलती है। आज के युग में हमारी कोई कितनी भी बुराई करे, हमें अपने कर्तव्य पर चलना चाहिए। हमारी कोई बुराई करे तो यह नहीं कि हम हमारे कर्तव्य को भूल जाए। अपने तप को बंद कर दें। हमें निरंतर अपना कर्तव्य पूरा करना चाहिए।

हम जो भी काम हाथ में ले उसे निष्ठा से पूरा करना चाहिए। छल कपट वाले तो उस जमाने में भी थे और इस जमाने भी रहेंगे। काम बिगाड़ने वाले हजारों लोग मौजूद है, लेकिन हम तटस्थ हैं, तो सफलता निश्चित है। यह सीख महर्षि गौतम के जीवन से हमें मिलती है।

आज सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन कर आपने महर्षि गौतम के सामाजिक सद्भाव के संदेश को और आगे बढ़ाया है। सामूहिक विवाह सम्मेलन हमारे देश की सामूहिक परिणय संस्कृति है। जिसमें कि सम्पूर्ण समाज एक साथ मिलकर एक स्थान पर शुभ कार्य करते हैं।

सामूहिक विवाह सम्मेलन समाज में सामाजिक परिवर्तन करने का एक बड़ा माध्यम है। समाज के सभी लोग एक छत के नीचे इकट्ठे होकर सामूहिकता के संस्कार के साथ सामूहिक विवाह सम्मेलन करते हैं, जिसमें सब की सहभागिता होती है।

पिछले कई वर्षों में सामूहिक विवाह सम्मेलनों से हमारे समाज में सामाजिक परिवर्तन हुआ है। इससे धन का अपव्यय कम होता है। और इससे जो धन बचेगा, यह हमारे बच्चों की शिक्षा में काम आएगा, उनके जीवन में बदलाव लाने में काम आएगा।

सामूहिक विवाह की संस्कृति हमारे श्रेष्ठ विचारों में से एक है। इसके लिए मैं समाज के सभी लोगों को धन्यवाद देता हूँ। मुझे विश्वास है कि इसी तरह हम निरंतर अपने समाज में सुधार कर आगे बढ़ते रहेंगे और अपने साथ अपने देश को भी आगे बढ़ाएंगे।

श्री गुर्जर गौड़ समाज द्वारा आयोजित किए जा रहे इस तरह के कार्यक्रम समाज के सभी लोगों को जोड़ते हैं। यह कार्यक्रम हमारी एकता का प्रतीक है। हम सभी अपनी निजी उन्नति के साथ अपने क्षेत्र, समाज और अपने देश के विकास के लिए समर्पित रहे। यह हमारी भावना होनी चाहिए। हमें अपने घर परिवार के साथ समाज और देश के प्रति अपनी जो जिम्मेदारियां हैं, उनका निर्वहन भी पूरे समर्पण से करना चाहिए।

गुर्जर गौड़ ब्राह्मण समिति पिछले कई वर्षों से अपने सामाजिक और कल्याणकारी कार्यों से समाज के लिए समर्पित है। आप समय समय पर ऐसे आयोजन करते हैं, जिनसे सकारात्मक संदेश मिलता है। मैं इसके लिए आपकी सराहना करता हूं।

मैं आपके सभी के भावी प्रयासों की सफलता की कामना करता हूँ।

मैं एक बार फिर उन सभी युवक-युवतियों को बधाई देता हूँ, जो आज से नए जीवन की शुरुआत करेंगे। आप अपने जीवन को सफल बनाएं और आने वाली पीढ़ी को अच्छे संस्कार दें।